Roll No. .... Total Printed Pages - 11

F - 382

M.A. (Second Semester)
EXAMINATION, MAY-JUNE, 2022
HINDI
Paper Sixth
(मध्यकालीन काव्य)

Time : Three Hours] *[Maximum Marks:80*

नोट- निर्देशानुसार सभी खण्डों के उत्तर दीजिए।

खण्ड-अ

(वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पीय प्रश्न)

(प्रत्येक 1 अंक)

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

सही उत्तर का चयन कीजिए -

1. रैदास किस काव्यधारा के कवि हैं
   (A) वैष्णव सम्प्रदाय
   (B) संतकाव्य
   (C) रामकाव्यधारा
   (D) कृष्ण काव्यधारा

2. इनमें से कौन अष्टछाप के कवि नहीं हैं
   (A) गोविन्द स्वामी
   (B) परमानन्द दास
   (C) नन्ददास
   (D) रामदास

3. बिहारी के काव्यग्रंथ का नाम है
   (A) बिहारी सतसई
   (B) बिहारी ग्रंथावली
   (C) बिहारी के दोहे
   (D) बिहारी रचनावली

4. वीर रस के कवि हैं
   (A) पद्माकर
   (B) केशव
   (C) भूषण
   (D) धनानंद

5. वियोग श्रृंगार के प्रमुख कवि हैं

(A) धनानंद

(B) बिहारी

(C) देव

(D) केशव

6. ' सुजान' किसकी रचना के केन्द्र में है

(A) धनानंद

(B) भूषण

(C) केशव

(D) बिहारी

7. **'कठिन काव्य का प्रेत'** किस कवि को कहा जाता है?

(A) केशव

(B) भूषण

(C) सेनापति

(D) पद्माकर

8. तुलसीदास नें किस भाषा में रचना की है?

(A) खड़ी बोली

(B) ब्रजभाषा

(C) अवधी

(D) बुंदेली

9. सूरदास किस रस के प्रमुख कवि हैं?

(A) वीररस

(B) श्रृंगार रस

(C) वियोग

(D) वात्सल्य रस

10. तुलसी की भक्ति किस प्रकार की थी?

(A) दास भक्ति

(B) सख्य भक्ति

(C) प्रेम परक

(D) कांताभाव भक्ति

11. 'सुंदरकाण्ड' के नायक कौन हैं?

(A) श्री राम

(B) श्री हनुमान

(C) श्री लक्ष्मण

(D) श्री रावण

12. सूरदास ने किस ग्रंथ के आधार पर सूरसागर की रचनी की

(A) श्रीमद् भागवत पुराण

(B) रामायण

(C) पुराण

(D) रामचरितमानस

13. समन्वयवादी कवि के रूप में कौन प्रसिद्ध है?

(A) तुलसीदास

(B) सूरदास

(C) देव

(D) पद्माकर

14. रीतिबद्ध कवि थे

(A) धनानंद

(B) बिहारी

(C) केशव

(D) देव

15. 'प्रेम के पीर' कवि के रूप में कौन प्रसिद्ध है?

(A) धनानंद

(B) पद्माकर

(C) बिहारी

(D) देव

16. 'साहित्य लहरी' के रचयिता कौन हैं?

(A) सूरदास

(B) मलूकदास

(C) रैदास

(D) तुलसीदास

17. ''सतसैया के दोरहे जस नावक के तीर देखन में छोटे लगे घाव करत गम्भीर'' ये पंक्तियाँ किस कवि की रचनाओं के संबंध में कही गयी हैं?

(A) बिहारी

(B) धनानंद

(C) देव

(D) भूषण

18. 'नहिं परागु, नहिं मधुरमधु, नहिं विकास इहिं कालो' यह किस कवि की पंक्ति है?

(A) धनानंद

(B) पद्माकर

(C) बिहारी

(D) देव

19. श्रृंगार रस का स्थायी भाव है

(A) रति

(B) जुगुप्सा

(C) घृणा

(D) वात्सल्य

20. किस रस को रसराज कहा जाता है?

(A) श्रृंगार रस

(B) रौद्र रस

(C) वीर रस

(D) भयानक रस

खण्ड - ब

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

(प्रत्येक 2 अंक)

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. 'रामचरित मानस' का प्रधान रस क्या है?
2. धनानंद रीतिकाल की किस धारा के कवि थे?
3. पद्माकर की काव्य भाषा कौन-सी है?
4. कवितावली किसकी रचना है?
5. रीतिकाल का अन्य नाम क्या है?
6. तुलसीदास के गुरु का क्या नाम था?
7. सूरदास की काव्यभाषा क्या थी?

8. नख-शिख वर्णन किस कवि ने किया है?

खण्ड - स

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

(प्रत्येक 3 अंक)

नोटः 75 शब्दों में प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. राष्ट्रीय काव्य धारा के कवि भूषण की काव्यगत विशेषताएँ लिखिए।
2. धनानंद की सुजानप्रियता पर टिप्पणी कीजिए।
3. कवि देव की रचनाओं की चर्चा कीजिए।
4. पद्माकर की काव्यभाषा पर टिप्पणी कीजिए।
5. केशव की अलंकारप्रियता की चर्चा कीजिए।
6. कुम्भनदास की रचना धर्मिता पर प्रकाश डालिए।
7. सूरदास क़े वात्सल्य वर्णन पर प्रकाश डालिए।
8. सूरदास की गोपियाँ विरह की सजीव मूर्तियाँ क्यों मानी जाती हैं?

खण्ड - द

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

(प्रत्येक 5 अंक)

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए-

आयो घोष बड़ो व्योपारी
लादि खेप गुन ज्ञान जोग की ब्रज में आय उतारी।।
फाटक दैकर गाटक मांगत भोरौ निपट सुधारी।
धुर ही तें खोटों खायो है लिए फिरत सिर भारी।।
इनके कहै कौन उहकावौ ऐसी कौन अजानी।
अपनी दूध छाँड़ि को पीवै खार कूप को पानी।।

अथवा

तब देखी मुद्रिका मनोहर। राम नां अंकित अति सुंदर।
चकित चितव मुंदरी पहिचानी। हरष-विषाद हृदैय अकुलानी।।
जीति को सकइ अजय रघराई। माया तै असि रचि नहिं जाई।
सीता मन विचारकर नाना। मधुर वचन बोलेउ हनुमाना।।

अथवा

बतरस लालच लाल की, मुरली धरी लुकाई।
सौह करै भौहनु हँसे, देन कहै नटि जाइ।।
कहत नटत रीझत, मिलत खिलत लजियात।
भरे भौन में करत है, नैननु ही सो बात।।

2. भ्रमर गीत के माध्यम से सूरदास ने ज्ञान पर प्रेम एवं निर्गुण पर सगुणभक्ति की जो विजय दिखाई है, उसकी विवेचना कीजिए।

अथवा

सूरदास की काव्य कला पर प्रकाश डालिए।

3. 'तुलसीदास को लोकमंगल एवं लोक समन्वय का कवि माना जाता है।' उदाहरण सहित समझाइए।

अथवा

तुलसीदास की भक्तिभावना को व्याख्यायित कीजिए।

4. बिहारी को रीतिसिद्ध कवि क्यों माना जाता है?

अथवा

बिहारी की काव्यकला पर प्रकाश डालिए।